training of teachers and Principals and encouragement of co-curriculer activities.

दिल्ली के कॉलेजों में दाखिले हेतु स्थानों की कमी

590. **श्री राम जेठमलानी:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में इस वर्ष बारहवीं कक्षा की परीक्षा में कुल 64,399 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि दिल्ली के नियमित कॉलेजों में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु केवल 28,943 स्थान हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि केवल 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र ही नियमित कॉलेजों में प्रवेश पा सकेंगे; और

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (घ) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार दिल्ली क्षेत्र से इस वर्ष 65,435 विद्यार्थियों ने कक्षा XII की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें से अधिकांश विद्यार्थियों ने दिल्ली के कॉलेजों में अवर स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है। इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय एक प्रतिष्ठित संस्था होने के कारण सारे देश से विद्यार्थियों को आकर्षित करता है। फिर भी, लगभग प्रत्येक विद्यार्थी एक ही समय में एक से अधिक पाठ्यक्रमों तथा एक से अधिक कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन करता है अत: प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या तथा प्रवेश न ले पाने वालों की सही संख्या नहीं बताई जा सकती।

Compensation to the rail victims

591. SHRI JOY NADUKKARA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the amount of compensation given to the victims of the train-bus collision at Haripad railway crossing in Alapuzha district;

(b) the number of accidents that have occurred at railway crossings in Kerala during the last five years;

(c) whether it is because of the lack of railway gates and necessary security arrangements at the railway crossings that such accidents are occurring frequently; and

(d) what steps are being taken by the Railway to avoid such accidents in future?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) No compensation has been paid. However, a sum of Rs. 1,84,000/- has been paid as ex-gratia to the families of killed and to the injured.

(b) Statistics of train accidents are maintained railway Zone-wise and not State-wise.

(c) Accidents at unmanned level crossings take place due to the negligence of road users who fail to observe the provisions of Section 131 of Motor Vehicles Act.

(d) (i) Speed breakers/rumble strips have been provided on the approaches to unmanned level crossings so that the road vehicles may reduce their speed.

(ii) Whistle boards are provided alongside the rail track on approach of level crossings to enable the train driver to whistle to warn the road users about the approaching train.

(iii) To educate the road drivers about safety at unmanned level crossings, publicity campaign is launched through various media like quickies on TV, Cinema slides, talks on radio and newspaper advertisement. Apart from this, safety meetings at Gram Panchayat Level are also held in which tractor owners, etc. are invited.

(iv) A train actuated warning device developed by BEL is currently under trail. This will sound a hooter and flash a light when a train is approaching the level crossing.

गजरौला में वायु और जल प्रदूषण

592. **श्री सोमपाल:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मुरादाबाद में गजरौला नामक स्थान पर वैम आर्गेनिक और उर्वरक तथा कागज के कारखानों से निकलने वाला प्रदूषित जल एवं विषैली गैसें वातावरण भूमिगत जल तथा गंगा नदी को लगातार प्रदूषित कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उक्त औद्योगिक इकाइयों द्वारा किए जा रहे प्रदूषण का कोई अध्ययन कराया है; और

(ग) यदि हां, तो इस अध्ययन का क्या परिणाम निकला है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री: (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार गजरौला में स्थित उद्योगों से निकलने वाले बहिस्रावों से बगड नदी, जो गंगा नदी में मिलती है, में कुछ सीमा तक जल प्रदूषण की समस्या होती है। तथापि, भूमिगत जल प्रदूषण की रिपोर्ट नहीं दी गई है। गजरौला में निलम्बित धूलकणों के परिवेशी स्तर मानकों से अधिक पाए गए।

(ख) और (ग) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गजरौला में उद्योगों की प्रदूषण नियंत्रण स्थिति की जांच की है। मैसर्स वाम आर्गेनिक कैमिकल्स ने अपेक्षित बहिस्राव शोधन संयंत्रों की स्थापना कर ली है। तीन पेपर उद्योगों में से एक के पास पर्याप्त बहिस्राव शोधन संयंत्र हैं और बाकी दो अपने विद्यमान बहिस्राव शोधन संयंत्रों में संशोधन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33क के अन्तर्गत दो पेपर मिलों को मानकों का पालन न करने के लिए उन्हें 10.5.1996 को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मैसर्स वाम आर्गेनिक कैमिकल्स (डिस्टिलरी यूनिट) का मामला माननीय उच्चतम न्यायालय में लम्बित है।

Construction of overbridges in Gujarat

593. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of ongoing projects of railway overbridges in Gujarat at present;

(b) the number of such overbridges completed during the last three years;

(c) whether Government have chalked out any further programme for construction of more overbridges in the State; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) 6.

(b) 1.

(c) and (d) The system of replacing a busy level crossing by a road over/under bridge is that the State Governments propose the works giving priorities. The Railways then examine the cases and include such of them in the Works Programme for which various pre-requisite formalities have been completed by the State Governments. The railways while including the works in the Works Programme, also take into account the quantum of existing sanctioned works for that particular state and the pace at which work on approaches of these works are being executed by the State Govt.

उर्वरक के उत्पादन में गिरावट

594. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान उर्वरक के उत्पादन में गिरावट आ रही है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार उर्वरक के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु क्या कदम उठाने का विचार रखती है;

(घ) क्या सरकारी क्षेत्र के उर्वरक उपक्रमों को घाटा हो रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला): (क) और (ख) 1992-93 से उर्वरक पोषकों का उत्पादन नीचे दिया गया है:-

(लाख टन में)

वर्ष	नाइट्रोजन	फास्फेट
1992-93	74.30	23.06
1993-94	72.31	18.16
1994-95	79.45	24.93
1995-96	87.77	25.58

वर्ष 1992-93 के दौरान, नियंत्रणमुक्त किए जाने के परिणामस्वरूप फास्फेटिक उर्वरकों के मूल्यों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई जिसके कारण फास्फेटिक उर्वरकों की खपत और उत्पादन में कमी हो गई। नाइट्रोजन पोषक के समग्र उत्पादन में भी कम्पलैक्स फास्फेटिक उर्वरकों से नाइट्रोजन के अंशदान में कटौती के कारण कमी दर्ज हुई। इस प्रवृत्ति में 1994-95 में बदलाव आया था।

(ग) उर्वरक उत्पादन में वृद्धि के लिए अपनाई गई रणनीति निम्नलिखित है:-